फार्म

अचल संपत्ति विवरणिका वर्ष – 2016–17

प्रथम नियुक्ति के समय अचल संपति का विवरण वर्ष ....

1. अधिकारी/कर्मचारी का पूरा नाम: अनूप कुमार दास
2. वर्तमान धारित पद: कार्या. सहा.-II
3. कार्यालय का नाम: (अउदा–नि) संभाग–एक, मप्रपॉट्रांकंलि., जबलपुर
4. वर्तमान वेतन: ....
5. भविष्यनिधि कमांक: 22723000
6. कर्मचारी संख्या: 84444295

उस जिले, उप संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, जिसमें ंपति स्थित हो ।	संपत्ति का नाम तथा ब्यौरे		वर्तमान मूल्य	यदि स्वयं के नाम पर न हो तो बतलाइये कि वह किसके नाम पर धारित है और उसका मंडल अधिकारी/कर्मचारी से क्या संबध है ।	उसे किस प्रकार अर्जित किया गया खरीद, पट्टा, बंधक विरासत, भेट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम तथा ब्यौरा ।	संपत्ति से वार्षिक आय	अभ्युक्ति
	गृह तथा अन्य भवन	भूमि					
1	2	3	4	5	6	7	8
जिला: जबलपुर	आवासीय भवन 1000 वर्गफुट क्षेत्रफल में 800 वर्गफुट निर्मित	—	38 लाख	स्वयं के नाम पर	स्वयं एवं परिवार के बचत से वर्ष 1987 में श्रीमति रेणु पोद्दार w/o श्री घनश्याम दास पोद्दार बड़ा फुवारा जबलपुर से 1000 वर्गफुट प्लाट क्रय किया गया	निरंक	

दिनांक ....

स्थान जबलपुर

हस्ता ......

नाम ....

पद ......

हस्ताक्षर (हस्ताक्षर)

नाम अनूप कुमार दास

पद कार्या. सहा.-श्रेणी-II

जहां लागु न हो काट दीजिए

ऐसे मामले में जहां मूल्य का सही–सही निर्धारण करना संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति के संदर्भ में लगभग मूल्य बतलाया जाए इसमें अल्पकालीन पट्टे भी सम्मिलित है ।

टिप्पणीः– मंडल द्वारा ग्राहय म.प्र. शासकीय सेवक (आचरण) नियम, 1985 के नियम 19 (1) के अधीन प्रथम श्रेणी द्वितीय श्रेणी तथा तृतीय श्रेणी सेवा के प्रत्येक सदस्य से यह आपेक्षित है कि वह सेवा में पहली नियुक्ति के समय और उसके बाद प्रत्येक 12 महीने की अवधि के पश्चात यह घोषण पत्र भरकर प्रस्तुत करें और उसमें वह उसके स्वामित्व की तथा उसके द्वारा अथवा उसे विरासत में मिली या उसके अपने नाम पर या उसके परिवार के किसी सदस्य के नाम पर अथवा किसी अन्य लंबित के नाम से पट्टे या बंधक पर धारित स्थावर (अचल) संपत्ति का विवरण देवें ।